श्री अवंति पार्श्वप्रभु को दिया अधिष्ठायक देवी देवताओं संग प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारने का निमंत्रण

उज्जैन 15 दिसंबर। गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के सानिध्य में 18 फरवरी 2019 को होने वाले दानीगेट स्थित श्री अवंति पार्श्वनाथ तीर्थ के भव्यातिभव्य अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव का आगाज दि. 15 दिसंबर 2018 को पत्रिका आलेखन महोत्सव से हुआ। प्रभु की शरण में सकल श्रीसंघ को विशिष्ट निमंत्रण देते हुए श्री अवंति पार्श्वनाथ प्रभु से प्रार्थना की कि आपकी प्रतिष्ठा में आपको अधिष्ठायक देवी देवता धरणेन्द्र पद्मावती सहित पधारकर यहीं रहना है एवं सभी आयोजनों को अपनी कृ पा से संपन्न कराना है।

यह महोत्सव निर्विघ्न हो, आनंद मंगलपूर्वक हो, इस आयोजन में मारवाड़ी समाज, उज्जैन, मध्यप्रदेश, भारत सहित संपूर्ण विश्व में शांति, समाधि प्रसारित हो, ऐसी प्रार्थना की गई।

गच्छाधिपति आचार्य श्री जिणमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य आर्य मेहुलप्रभसागरजी ने कहा कि विक्रम संवत् 1761 से पूर्व यवनों और मुगलों के आक्रमण के समय में श्री अवंति पार्श्वनाथ तीर्थ को बचाने के लिए ढंक दिया गया था और विक्रम संवत् 1761 में खरतरगच्छाचार्य श्री जिनचंद्रसूरिजी म. के समय यह मंदिर पुनः प्रकट किया गया। अब इस मंदिर के शास्त्रशुद्ध जीर्णोद्धार के पश्चात् प्रतिष्ठा महोत्सव का आगाज पत्रिका आलेखन महोत्सव के द्वारा हुआ है।

मुनिश्री ने कहा कि हीराचंदजी छाजेड़ परिवार के द्वारा जय जिनेन्द्र का लाभ लिया गया है, छाजेड़ परिवार का विशेष कर्तव्य यह है कि गौरवशाली उज्जैन नगर में आपको अवंति पार्श्वप्रभु के सभी भक्तों की प्रतीक्षा व स्वागत में आतुर खड़ा रहना है।

समारोह में अवंति पार्श्वनाथ भगवान को सर्वप्रथम हीराचंदजी कौशलकुमारी छाजेड़ ने पत्रिका अर्पण की, तत्पश्चात् परिवार के अन्य सदस्यों ने पत्रिकाएं अर्पण की। कुल 21 पत्रिकाएं अलग–अलग जैन तीर्थों के नाम से भगवान को अर्पित की गई तथा निमंत्रण दिया गया।

इससे पूर्व आचार्य श्री जिणमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य आर्य मेहुलप्रभसागरजी एवं मुनि मलयप्रभसागरजी म. की निश्रा एवं महत्तरा साध्वीवर्या श्री दिव्यप्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा 4, माताजी म. श्रमणीरत्ना रतनमालाश्रीजी म.सा. एवं डॉ. विद्युत्प्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा के सानिध्य में हाथी, घोड़े, बग्घी, बैंड के साथ राजदरबार के रूप में भव्य वरघोड़ा निकला।

वरघोड़ा शांतिनाथ मांगलिक भवन, छोटा सराफा से प्रारंभ होकर सराफा, छत्रीचौक, गोपाल मंदिर, ढाबा रोड़ होते हुए दानीगेट स्थित श्री अवंति पार्श्वनाथ तीर्थ पहुंचा। यहां धर्मसभा में साध्वी डॉ. विद्युत्प्रभाश्रीजी म. ने अवंति पार्श्वनाथ तीर्थ का महत्व बताया।

प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष व पूर्वमंत्री श्री पारस जैन, प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के संयोजक कुशलराज गोलेच्छा ने भी उद्बोधन दिया। तत्पश्चात् संगीतकार नरेन्द्रभाई वाणीगोता मुंबई के धार्मिक प्रस्तुतियों के बीच पत्रिका आलेखन समारोह हुआ। पत्रिका आलेखन समारोह में जय जिनेन्द्र के लाभार्थी उज्जैन निवासी श्री हीराचंदजी छाजेड़, देवेन्द्र, अभय, अशोक, अजीत, रिषभ, सिद्धार्थ, मुदित, अंश छाजेड़ ने भगवान अवंति पार्श्वनाथ के श्रीचरणों में पत्रिका अर्पित की।

वरघोड़े में प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री श्री पारस जैन सहित मारवाडी समाज के ट्रस्टीगण, अशोक कोठारी, आशीष चौपडा सहित जिनेश्वर युवा परिषद् के सभी सदस्य एवं उज्जैन जैन समाज के अनेक श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

प्रेषक– रितेश जैन एवं तरुण डागा (प्रतिष्ठा प्रचार समिति)

इन्दौर में दीक्षा संपन्न

इन्दौर 18 जनवरी। पूज्य गुरुदेव प्रज्ञापुरुष आचार्य प्रवर श्री जिनकान्तिसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में इन्दौर नगर में रतलाम निवासी श्री कान्तिलालजी बनवट की धर्मपत्नी सौ. श्रीमती मनोरमादेवी बनवट की भागवती दीक्षा अत्यन्त आनंद व उल्लास के साथ ता. 18 जनवरी 2019 को संपन्न हुई।

वे पूजनीया छत्तीसगढ रत्ना महत्तरा पद विभूषिता श्री मनोहरश्रीजी म.सा. की शिष्या पूजनीया साध्वी श्री संघमित्राश्रीजी म. की शिष्या बनी। दीक्षा विधि की पूर्णता पर उन्हें साध्वी मेरुशीलाश्रीजी नाम प्रदान किया गया। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ इन्दौर द्वारा उनका व बनवट परिवार का अभिनंदन किया गया।

इन्दौर दादावाडी की प्रतिष्ठा संपन्न

इन्दौर 18 जनवरी। इन्दौर नगर की 250 से अधिक वर्ष प्राचीन सुप्रसिद्ध रामबाग दादावाडी की प्रतिष्ठा दादावाडी संस्थान ट्रस्ट के तत्वावधान में पूज्य गुरुदेव प्रज्ञापुरुष आचार्य प्रवर श्री जिनकान्तिसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. पूज्य मुनि श्री मुक्तिप्रभसागरजी म. पूज्य मुनि श्री मनीषप्रभसागरजी म. पूज्य मुनि श्री मयंकप्रभसागरजी म. एवं पूजनीया महत्तरा श्री विनीताश्रीजी म. ठाणा 3, पूजनीया बहिन म. डॉ. विद्युत्प्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा 3, पूजनीया साध्वी श्री सुप्रज्ञाश्रीजी म. आदि ठाणा 5, पूजनीया साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी म. आदि ठाणा 7, पूजनीया साध्वी श्री संघमित्राश्रीजी म. आदि ठाणा 3 की पावन निश्रा में संपन्न हुई।

प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु पूज्य गुरु भगवंतों का ता. 13 जनवरी को मंगल प्रवेश संपन्न हुआ। समारोह का प्रारंभ ता. 15 जनवरी 2019 से हुआ। ता. 17 जनवरी को प्रतिष्ठा व दीक्षा की भव्य शोभायात्रा का आयोजन हुआ। ता. 18 जनवरी को शुभ मुहूर्त्त में खरतरबिरुद धारक आचार्य श्री जिनेश्वरसूरि एवं नवांगी वृत्तिकार श्री अभयदेवसूरि की पट्टनुमा खडी प्रतिमाओं की तथा दादा जिनदत्तसूरि, दादा जिनकुशलसूरि, काला गोरा भैरव, भोमियाजी देव, अंबिका देवी एवं श्रीयंत्र आदि बिम्बों की प्रतिष्ठा संपन्न हुई। ध्वजदंड व कलश आरोपित किया गया। दादा जिनदत्तसूरि की प्रतिमा की प्रतिष्ठा श्री मुकुन्दचंदजी अमरावकंवरजी मेहता परिवार ने लिया। दादा जिनकुशलसूरि प्रतिष्ठा का लाभ श्री सज्जनलालजी सेठी स्व. श्रीमती पारसबाई सेठी परिवार ने, आचार्य जिनेश्वरसूरि की पट्टनुमा प्रतिमा का लाभ श्री पूनमचंदजी चमेलीबाई मालू श्री प्रकाशजी मालू परिवार ने, आचार्य अभयदेवसूरि का लाभ श्री मुकुन्दचंदजी अमरावकंवरजी मेहता परिवार ने, भोमियाजी देव का लाभ श्री राजेन्द्रजी सौ. मधुजी लोढा परिवार ने, मां अंबिकादेवी का लाभ श्री बन्नेचंदजी रेवंतमलजी राजेन्द्रकुमारजी नाहर बैंगलोर परिवार ने, काला भैरव देव का लाभ श्री सुरेशकुमारजी दिनेशकुमारजी डोसी खजवाणा नागोर परिवार ने, गोरा भैरव का लाभ श्री हेमन्तजी अनिलजी पुनीतजी लसोड परिवार ने तथा श्रीयंत्र का लाभ बडवाह निवासी श्री राजेन्द्रकुमारजी महेशकुमारजी पंकजजी डाकोलिया परिवार ने लिया।

इसी पावन अवसर पर रामबाग स्थित श्री वासुपूज्य जिनमंदिर में नाकोडा भैरव की प्रतिष्ठा भी संपन्न की गई जिसका संपूर्ण लाभ श्री मूलचंदजी श्रीमती मोहनबाई सिंघवी की स्मृति में श्री प्रकाशजी कमलजी, सतीशजी, जयन्तीजी, कुशलजी सिंघवी परिवार ने लिया।

प्रतिष्ठा के समय का उल्लास अनूठा था। भक्तगणों की उपस्थिति बहुत बडी संख्या में थी। प्रतिष्ठा विधान के पश्चात् बहुमान का कार्यक्रम रखा गया। लाभार्थी परिवारों का बहुमान किया गया। पूज्य गुरुदेवश्री

को कामली अर्पण की गई। इस दादावाडी के जीर्णोद्धार में श्री प्रकाशजी मालू, श्री हेमन्तजी लसोड व श्री अनिलजी मेहता का पूर्ण योगदान रहा। उन्हीं के प्रबल पुरुषार्थ के परिणाम स्वरूप इतने अल्प समय में ऐतिहासिक, आकर्षक दादावाडी का निर्माण संभव हुआ।

ता. 19 जनवरी को द्वारोद्घाटन संपन्न हुआ। द्वारोद्घाटन का लाभ श्री प्रकाशजी मालू, श्री हेमन्तजी लसोड, श्री अनिलजी मेहता व श्री जयन्तीजी सिंघवी परिवार ने लिया।

महावीर बाग मंदिर में प्रतिष्ठा

पूज्य गुरुदेव प्रज्ञापुरुष आचार्य प्रवर श्री जिनकान्तिसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. आदि साधु साध्वी मंडल की पावन निश्रा में महावीर बाग स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनमंदिर में खरतरबिरुद धारक आचार्य श्री जिनेश्वरसूरि की प्रतिमा ता. 19 जनवरी 2019 को शुभ मुहूर्त्त में प्रतिष्ठित की गई। यह ज्ञातव्य है कि महावीर बाग के इस जिनमंदिर की ऐतिहासिक अंजनशलाका प्रतिष्ठा 24 वर्ष पूर्व पूज्य गुरुदेवश्री के करकमलों द्वारा ही संपन्न हुई थी।

खरतरबिरुद प्राप्ति के एक हजार पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बिरुद धारक आचार्यश्री की प्रतिमा यहॉ पर बिराजमान की गई। प्रतिमाजी भराना, बिराजमान करना, गोखले आदि का संपूर्ण लाभ श्री मूलचंदजी श्रीमती मोहनबाई सिंघवी की स्मृति में श्री प्रकाशजी कमलजी, सतीशजी, जयन्तीजी, कुशलजी सिंघवी परिवार ने लिया।

इन्दौर से श्री अवन्ति तीर्थ का
छह री पालित संघ का आयोजन

इन्दौर 30 जनवरी। पूज्य गुरुदेव खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में इन्दौर नगर से श्री अवन्ति पार्श्वनाथ तीर्थ के लिये छह री पालित संघ का आयोजन संपन्न हुआ। संघ आयोजन इन्दौर निवासी श्रीमती मदनबाई की स्मृति में श्री मदनलालजी पुत्र नवीनकुमारजी जयन्तीलालजी अनिलकुमारजी सुनीलकुमारजी बैद परिवार की ओर से किया गया।

ता. 29 जनवरी 2019 को संघ का प्रस्थान संघपति परिवार के घर से हुआ। प्रस्थान से पूर्व स्नात्र पूजा, नवग्रह, दशदिक्पाल आदि विविध पूजाऐं पढाई गई। संघपति श्री प्रकाशजी मालू परिवार ने संघवी बैद परिवार को तिलक कर नारियल अर्पण किया।

बाजते गाजते संघ रामबाग दादावाडी पहुॅचा। दादावाडी से ता. 30 को प्रातः प्रस्थित हुआ। ता. 1 फरवरी को संघपति बैद परिवार की ओर से सभी यात्रियों, कार्यकर्त्ताओं का बहुमान किया गया।

ता. 2 फरवरी को संघ अवन्ति तीर्थ पहुॅचा। भव्य प्रवेश संपन्न हुआ। अवन्ति पार्श्वनाथ परमात्मा के दरबार में संघपति मालारोपण विधान किया गया।

श्री मदनलालजी बैद को माला पहिनाने का लाभ श्री अशोककुमारजी मिश्रीलालजी भंसाली जलगांव जामोद वालों ने लिया। सभी संघपतियों को तीर्थ माल, संघपति माला धारण करवाई गई। संघ में पूज्य आचार्यश्री आदि ठाणा 6, पूजनीया गणिनी वर्या श्री सुलोचनाश्रीजी म. आदि ठाणा 7, पूजनीया गणिनी वर्या श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा 15, पूजनीया बहिन म. डॉ. श्री विद्युत्प्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा 3, पूजनीया साध्वी श्री विमलप्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा 7, पूजनीया साध्वी श्री सुप्रज्ञाश्रीजी म. आदि ठाणा 5, पूजनीया

साध्वी श्री संघमित्राश्रीजी म. आदि ठाणा 3 आदि साधु साध्वी मंडल की विशाल संख्या में सानिध्यता प्राप्त हुई। संघवण श्रीमती मीनादेवी अनिलकुमारजी बैद ने सभी का आभार माना। गुरुदेवश्री के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की।

संघ की व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिये संघपति श्री अनिलकुमारजी बैद, उनकी धर्मपत्नी सौ. मीनादेवी बैद, पुत्र श्री श्रेयांसकुमार पुत्री सुश्री लीची बैद का विशेष पुरुषार्थ रहा। संघ की सुन्दर व्यवस्था राहुल इवेंट द्वारा की गई। जिसकी सराहना सभी यात्रियों ने मुक्त कण्ठ से की। राहुल इवेण्ट के श्री राहुल जैन, जयेशभाई, मयंकभाई, अक्षयभाई आदि ने बहुत मेहनत की। इस संघ में इन्दौर, जयपुर, अक्कलकुआ, मुंबई, भायंदर, खापर, तलोदा, वाण्याविहिर, अमलनेर, शहादा, नंदुरबार, अहमदाबाद, मनावर आदि कई गांवों के यात्री सम्मिलित हुए।

देपालपुर में दादावाडी की प्रतिष्ठा संपन्न

इन्दौर से 40 कि.मी. दूर स्थित देपालपुर में चौधरी परिवार द्वारा निर्मित श्री जिनकुशलसूरि दादावाडी की प्रतिष्ठा ता. 25 जनवरी 2019 को अत्यन्त आनंद व उल्लास के साथ पूज्य गुरुदेव प्रज्ञापुरुष आचार्य प्रवर श्री जिनकान्तिसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. पूज्य मुनि श्री मयंकप्रभसागरजी म. एवं पू. महत्तरा पद विभूषिता श्री चंपाश्रीजी म.सा. की शिष्या एवं पूजनीया गणिनी प्रवरा श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म. की चरणाश्रिता पूजनीया साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी म. पू. साध्वी श्री अभिनंदिता श्रीजी म. पू. साध्वी श्री विनम्रप्रभाश्रीजी म. की पावन निश्रा में संपन्न हुई। इस दादावाडी का निर्माण श्री केसरीमलजी चौधरी परिवार द्वारा सन् 1978 में करवाया गया था।

इस दादावाडी का जीर्णोद्धार श्रीमती रतनबाई चौधरी, श्री विमलचंदजी श्री चंदनबालादेवी चौधरी की स्मृति में श्री सुधीरकुमारजी चन्द्रशेखरजी राजेशजी कमलेशजी विरलजी अश्विनजी चैतन्यजी चौधरी परिवार की ओर से स्वद्रव्य से करवाया गया।

महोत्सव का प्रारंभ ता. 21 जनवरी 2019 से हुआ। पूज्य आचार्यश्री का मंगल प्रवेश ता. 22 जनवरी को हुआ। महोत्सव में दादा गुरुदेव महापूजन, वर्धमान शक्रस्तव अभिषेक, सिद्धचक्र महापूजन आदि विविध विधान संपन्न हुए।

ता. 24 जनवरी को भव्य वरघोडा आयोजित हुआ। ता. 25 को प्रातः मंगल मुहूर्त्त में मूलनायक दादा श्री जिनकुशलसूरि, दादा जिनदत्तसूरि, मणिधारी जिनचन्द्रसूरि, काला गोरा भैरव, अंबिकादेवी एवं सरस्वती देवी की प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा संपन्न हुई। दोपहर में श्री शांतिस्नात्र महापूजन पढाया गया। ता. 26 जनवरी को द्वारोद्घाटन के पश्चात् दादा गुरुदेव की पूजा पढाई गई।

प्रतिष्ठा महोत्सव का संचालन एवं विधिविधान श्री रत्नेशजी मेहता, इन्दौर ने करवाये।

साधु साध्वी समाचार

0 पूज्य उपाध्याय श्री मनोज्ञसागरजी म. ठाणा 2 की पावन निश्रा में पू. साध्वी श्री सम्यग्दर्शनाश्रीजी म.सा. की प्रेरणा से कुशल दर्शन सोसायटी पर्वत पाटिया में निर्मित श्री विमलनाथ जिन मंदिर दादावाडी का प्रतिष्ठा महोत्सव दि. 6 फरवरी 2019 को प्रारंभ होगा। दि. 10 फरवरी 2019 को अंजनशलाका प्रतिष्ठा संपन्न होगी।
0 पूज्य गणिवर श्री मणिरत्नसागरजी म. की निश्रा में वैर नगर जिला– भरतपुर में दि. 9 फरवरी 2019 को प्रतिष्ठा संपन्न होगी।

0 पूज्य मुनि श्री महेन्द्रसागरजी म. आदि ठाणा कैवल्यधाम तीर्थ बिराज रहे है। उनके सानिध्य में दि. 10 फरवरी 2019 को मुमुक्षु पीयूष गोलछा और मुमुक्षु नवनीत बोथरा की भागवती दीक्षा महोत्सव संपन्न होगा।
0 पूज्य मुनि श्री मनितप्रभसागरजी म. एवं पूज्य मुनि श्री विरक्तप्रभसागरजी म. बालोतरा बिराज रहे है। वहाँ गांधीपुरा में उनकी प्रभावक प्रवचन शृंखला चल रही है। बालोतरा से आप कल्याणपुर की ओर विहार करेंगे। जहाँ उनकी निश्रा में जिनमंदिर की वार्षिक ध्वजा के निमित्त त्रिदिवसीय भव्य महोत्सव संपन्न होगा।
पूज्य मुनिप्रवर श्री समयप्रभसागरजी म. एवं मुनि श्री श्रेयांसप्रभसागरजी म. अध्ययन के लक्ष्य से बाड़मेर कुशल–वाटिका में बिराज रहे है।
0 पूजनीया महत्तरा पदविभूषिता श्री दिव्यप्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा 4 उज्जैन अवन्ति तीर्थ बिराज रहे है।
0 पूजनीया प्रवर्तिनीवर्या श्री शशिप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा आगरा बिराज रहे है। उनकी पावन निश्रा में आगरा में ता. 27 जनवरी 2019 को दादावाडी की प्रतिष्ठा हुई। इस दादावाडी का जीर्णोद्धार उनकी पावन प्रेरणा से संपन्न हुआ।
0 पूजनीया गणिनी प्रवरा श्री सुलोचनाश्रीजी म. पू. सुलक्षणाश्रीजी म. आदि ठाणा भिवंडी, नाशिक, मालेगांव, धुले, सेंधवा, इन्दौर होकर उज्जैन अवन्ति तीर्थ बिराज रहे है।
0 पूजनीया गणिनी प्रवरा श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म. पू. पूर्णप्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा 15 गोधरा, दाहोद, मोहनखेडा, भोपावर, धार होते हुए इन्दौर पधारे। वहां से विहार कर उज्जैन अवन्ति तीर्थ बिराज रहे है।
0 पूजनीया साध्वी श्री मनोरंजनाश्रीजी म. दुर्ग के आसपास विचरण कर रहे है।
0 पूजनीया साध्वी श्री मणिप्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा कैवल्यधाम से जयपुर की ओर विहार करेंगे।
0 पूजनीया माताजी म. श्री रतनमालाश्रीजी म. पू. बहिन म. डॉ. श्री विद्युत्प्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा 10 बिजयनगर से विहार कर भीलवाडा, चित्तौड, निम्बाहेडा, नीमच मन्दसौर होते हुए उज्जैन पधारे। उज्जैन अवन्ति तीर्थ बिराज रहे है।
0 पूजनीया साध्वी श्री सम्यग्दर्शनाश्रीजी म. आदि ठाणा 4 जयपुर से विहार कर भीलवाडा, उदयपुर, केशरियाजी होते हुए सूरत पधार गये है। जहां उनकी प्रेरणा से निर्मित जिनमंदिर के अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव में अपनी सानिध्यता प्रदान करेंगे।
0 पूजनीया साध्वी श्री विमलप्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा 7 नंदुरबार से मालेगांव, धुले, इन्दौर, हेते हुए उज्जैन अवन्ति तीर्थ पधारे हैं। प्रतिष्ठा महोत्सव में अपनी सानिध्यता प्रदान करेंगे।
0 पूजनीया साध्वी श्री कल्पलताश्रीजी म. आदि ठाणा शंखेश्वर में उनकी पावन निश्रा में नूतन यात्रिक भवन का उद्घाटन ता. 5 व 6 जनवरी को होने के पश्चात् विहार कर 8 फरवरी के आसपास उज्जैन अवन्ति तीर्थ पधारेंगें। प्रतिष्ठा महोत्सव में अपनी सानिध्यता प्रदान करेंगे।
0 पूजनीया साध्वी श्री प्रियस्मिताश्रीजी म. आदि ठाणा 6 आसाम में विचरण कर रहे हैं। उस क्षेत्र में अनुमोदनीय धर्मप्रभावना हो रही है।
0 पूजनीया साध्वी श्री विश्वरत्नाश्रीजी म. आदि ठाणा 4 पालीताना में बिराजित है। नवाणुं यात्रा आदि में संलग्न है।
0 पूजनीया साध्वी श्री प्रियरंजनाश्रीजी म. आदि ठाणा 3 बंगलुरु से गिरनार तीर्थ के लिए विहार किया है।
0 पूजनीया साध्वी श्री संघमित्राश्रीजी म. आदि ठाणा 3 उज्जैन अवन्ति तीर्थ बिराज रहे है। प्रतिष्ठा महोत्सव में अपनी सानिध्यता प्रदान करेंगे।
0 पूजनीया साध्वी श्री प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी म. आदि ठाणा 8 सूरत बिराज रहे है।
0 पूजनीया साध्वी श्री अभ्युदयाश्रीजी म. आदि ठाणा कलिकुण्ड, दाहोद होते हुए उज्जैन पधारे हैं। प्रतिष्ठा महोत्सव में अपनी सानिध्यता प्रदान करेंगे।